केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसान और किसान संगठनों से संवाद के क्रम में आज किसान और किसान संगठनों से चर्चा की

किसानों से चर्चा के दौरान राज्य सरकारों और केंद्र सरकार से संबंधित मुद्दे सामने आये, उन पर गहराई और गंभीरता से विचार करेंगे -चौहान

भा.मा.ब्यूरो, नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसान और किसान संगठनों से संवाद के क्रम में आज नई दिल्ली में किसान संगठनों के सदस्यों से चर्चा की। श्री चौहान ने किसान महापंचायत के प्रमुख और उनके संघ के अलग-अलग राज्यों के अनेकों किसान प्रतिनिधियों व किसानों का स्वागत किया। किसान संगठनों ने कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की व सुझाव दिये।

श्री चौहान ने बताया कि आज मेरा सौभाग्य है कि किसान महापंचायत के प्रमुख रामपाल सिंह और उनके संघ के अलग-अलग राज्यों के अनेकों किसान प्रतिनिधियों से बहुत सार्थक चर्चा हुई। हमने कई चीजों का गहराई से अध्ययन किया है। किसानों से चर्चा के दौरान राज्य सरकारों और केंद्र सरकार से संबंधित मुद्दे सामने आये हैं, उन पर गहराई और गंभीरता से विचार करेंगे। कृषि मंत्री होने के नाते मैं पूरा प्रयत्न करूंगा कि किसान कैसे आगे बढ़ें व कृषि क्षेत्र की हालत कैसे ठीक हो।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी किसान हितैषी हैं। किसानों के साथ संवाद उनकी समस्याओं को समझने में बहुत मदद करता है। श्री चौहान ने कहा है कि किसान महापंचायत के प्रमुख रामपाल सिंह ने कहा कि किसान के लिए काम हो। किसानों ने अनेकों सार्थक मुद्दे उठाये हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कई चीजें हो रही हैं। किसानों के हित में पिछले दिनों लगातार अनेकों फैसले किये गये हैं जैसे कृषि विकास योजना में लचीलापन- इसमें प्रावधान किया है कि जिस राज्य के लिए जो योजना उपयुक्त हो वह वहीं काम करे। ऐसी कई चीजों पर काम हुए हैं और ऐसी कई चीजों पर काम होने की आवश्यकता है। किसानों ने फसल बीमा योजना सहित कई चीजों की तरफ ध्यान आकर्षित किया है। हम पूरी गंभीरता से इन समस्याओं के समाधान का प्रयत्न करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि किसान साथियों से मिलकर मैं बहुत प्रसन्न हूं और इनकी सेवा मेरे लिए भगवान की पूजा है। उन्होंने मीडिया के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि फसल बीमा का क्लेम लेने में ऐसी कोई बाध्यता नहीं है ऋणी और अऋणी किसानों में सवैच्छिक हो। कई बार यह देखने में आया है कि स्वैछिक नहीं है तो उसे भी इस योजना के अन्तर्गत लाया जाता है आदि कई चीजों पर चर्चा हुई है।

स्वच्छता पखवाड़ा समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

भावी मानेसर संवाददाता गुड़गांव (पुष्पा)। कर्मचारी राज्य बीमा निगम, श्रम एवं रोज़गार के उप क्षेत्रीय कार्यालय गुरुग्राम द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा-2024 का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यालय अध्यक्ष विकास कुंडल, निदेशक(प्रभारी) की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर सहायक निदेशक (जन सम्पर्क) डॉ. स्वीटी यादव ने स्वच्छता सम्बन्धी विभिन्न गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह पखवाड़ा अनेक अर्थों में महत्वपूर्ण रहा। आचार संहिता के नियमों का पूरा ध्यान रखते हुए विभिन्न स्वच्छता सम्बन्धी गतिविधियों का आयोजन किया गया। पखवाड़े के दौरान कार्यशाला, स्वास्थ्य और फिट्नेस को ध्यान में रखते हुए नींबू दौड़, म्यूजिकल चेयर आदि , 'एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत आंतरिक परिसर में पौधारोपण' तथा 'स्वभाव स्वच्छता : संस्कार स्वच्छता' विषय पर निबंध लेखन, वाक्, कविता लेखन एवं चित्रकारी, सबसे स्वच्छ कार्य स्टेशन आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया इसके साथ ही भवन की छत, टंकियाँ, वाटर कूलर आदि की सफाई, विभिन्न यांत्रिक उपकरणों की सफाई, फूलदार, गैर-फूलदार पौधों का गमलों में रोपण, कीट नियंत्रण आदि विभिन्न गतिविधियाँ की गईं। कार्यक्रम का संचालन बिरजू सिंह, अनुवाद अधिकारी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंचदीप प्रज्ज्वलित कर सरस्वती वंदना के साथ किया गया। उप निदेशक सचिन सिंह द्वारा कार्यालय प्रमुख को प्लांट पॉट भेंट कर स्वागत किया गया। तदुपरांत अधिकारी गण द्वारा विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और कंबल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यालय प्रमुख विकास कुंडल ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में सभी को घर-द्वार से लेकर कार्यालय तक और अपने अंतर्मन से लेकर कार्यशैली तक अपने स्वभाव को, अपने संस्कार को मन, वचन और कर्म से स्वच्छ रहने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि जब हमारा स्वभाव स्वच्छ होगा तो अपने आप ही विचार, संस्कार भी स्वच्छ होगें। सचिन सिंह-उप निदेशक, रविन्द्र कुमार सहायक निदेशक, दीपक शर्मा, उप निदेशक एवं राजेन्द्र प्रसाद,सहायक निदेशक ने भी अपने उद्बोधन में सभी कार्मिकों को अपने स्वभाव और संस्कार सहित अपनी जीवन शैली को स्वच्छता की ओर अग्रसर करने के लिए प्रेरित किया।

श्री हरि लक्ष्मी फ्यूल इंडियन ऑयल कंपनी फरुखनगर में डीजल और पेट्रोल खरीद मिलने वाले लकी ड्रा कूपन निकाले

SHRI HARI LAXMI FULES
Indian Oil Company का लक्की ड्रा कूपन
1 September 2024 to 31 Jan. 2025
IndianOil

फरूखनगर (जयप्रकाश शर्मा)। श्री हरि लक्ष्मी फ्यूल इंडियन ऑयल कंपनी फरुखनगर मुशैदपुर रोड पर डीजल और पेट्रोल खरीद मिलने वाले लकी ड्रा कूपन निकाले गए। लकी ड्रा में निकले नाम वाले विजेता को इनाम की राशि नकद दी गई। इस दौरान पट्रौल, डीजल के तीन लकी ड्रा पर तीन तीन इनाम 299 की पैट्रोल डीजल की खरीद पर 2100, 1100, 500 रूपय, 499 की खरीद पर 3100, 1500, 800 रूपय व 2099 की खरीद पर 5100, 2100 व 1100 रूपए के इनाम रखे गए थे। जिनको खरीद पर लकी ड्रा कूपन दिए गए थे। सभी लकी ड्रा कूपन को अलग अलग जार में बंद करके सैकड़ों की संख्या में मौजूदगी व्यक्तियो के सामने रखे गए और सबके सामने वहां मौजूद लोगों छोटे बच्चे से जार से ड्रा कूपन निकाले गए। जिनको जज की भूमिका निभा रहे महेश सैनी, समाजसेवी बीरबल सैनी, जेपी मास्टर, दिनेश सैनी, अजय मैनेजर पेट्रोल पंप, सुरेश खेड़ा, भारत भूषण ने खोलकर नाम, कूपन नंबर, व्हीकल नंबर व मोबाइल नंबर से कंफर्म किया गया। इसमें दिलचस्प बात यह रही कि जो व्यक्ति वहां मौजूद रहे। उनमें से किसी एक व्यक्ति का भी नाम लकी ड्रा में नहीं निकले। जिनके नाम लकी ड्रा में निकले वो वहां मौजूद ही नहीं थे। जिनको लकी ड्रा की सूचना फोन के माध्यम से दी गई। इसके अलावा तीनो जार से दो दो 1100 रूपए के एक्सट्रा कूपन निकाले गए। इस मौके पर काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मानवाधिकार विषय पर एनएचआरसी का दो दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम तमिलनाडु पुलिस के सहयोग से संपन्न

भा.मा.ब्यूरो, नई दिल्ली।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अधिकारियों सहित अखिल भारतीय सेवाओं के अधिकारियों को संवेदनशील बनाने के लिए मानवाधिकार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। इस श्रृंखला में, आयोग ने 3-4 अक्टूबर, 2024 को कोयंबटूर में तमिलनाडु और कर्नाटक पुलिस अधिकारियों के लिए दो दिवसीय आवासीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम, तमिलनाडु पुलिस के सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में उद्घाटन और समापन सत्रों के अलावा, मानवाधिकार और पुलिस के विभिन्न पहलुओं पर सात तकनीकी सत्र भी आयोजित किए गये। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एडिशनल एसपी), पुलिस अधीक्षक (एसपी) और उप महानिरीक्षक (डीआईजी) रैंक के अधिकारियों सहित लगभग 45 पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

3 अक्टूबर, 2024 को भारत में एनएचआरसी के महानिदेशक (आई), श्री अजय भटनागर ने तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक श्री शंकर जीवाल, कर्नाटक के अतिरिक्त महानिदेशक श्री देवज्योति रॉय और एनएचआरसी के रजिस्ट्रार (कानून) श्री जोगिंदर सिंह की उपस्थिति में कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्यों द्वारा दंडात्मक कार्रवाई की तुलना में निवारक कार्रवाई की अवधारणा को प्राथमिकता देनी चाहिए। यह विचार पुलिस कार्य प्रणाली के सभी पहलुओं में समाहित होना चाहिए। तमिलनाडु के डीजीपी श्री शंकर जीवाल ने कोयंबटूर में क्षेत्रीय स्तर पर, क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की अभिनव अवधारणा की प्रशंसा की और इस आयोजन के लिए एनएचआरसी का आभार व्यक्त किया।

मानव अधिकार और नैतिक दुविधाएं -एक पेशेवर का दृष्टिकोण विषय पर आयोजित पहले सत्र में श्री अजय भटनागर ने कानून प्रवर्तन के ढांचे के भीतर मानवाधिकारों को बनाए रखने के दौरान अपनी जिम्मेदारियों को संतुलित करने में अधिकारियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला।

दूसरे सत्र में, तमिलनाडु राज्य मानवाधिकार आयोग के सदस्य न्यायमूर्ति श्री वी. कन्नदासन ने मानवाधिकार और पुलिस अधिकारियों की भूमिका के बारे में बात की। उन्होंने झूठी शिकायतों और न्याय सुनिश्चित करने में न्यायिक सक्रियता के महत्व सहित कई मुद्दों पर प्रकाश डाला।

एनएचआरसी के रजिस्ट्रार (कानून) श्री जोगिंदर सिंह ने तीसरे सत्र में पुलिस और उच्चतम न्यायालय के महत्वपूर्ण मामलों से सम्बंधित एनएचआरसी द्वारा जारी किए गए विभिन्न दिशा-निर्देशों के बारे में बात की। उन्होंने उन प्रमुख क्षेत्रों के बारे में बताया जहां आयोग ने पुलिस कार्य प्रणाली में सुधार के लिए निर्देश जारी किए हैं। इन मामलों में जांच के दौरान मानवाधिकारों के उल्लंघन, हिरासत में कैदी के साथ हिंसा और कानून प्रवर्तन में पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया है।

कर्नाटक के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री देवज्योति रे ने पहले दिन के चौथे सत्र में कर्नाटक में मानवाधिकार शिकायत निवारण प्रणाली के बुनियादी ढांचे पर बात की। उन्होंने शिकायत पंजीकरण के लिए कर्नाटक राज्य मानवाधिकार आयोग (केएसएचआरसी) के अभिनव दृष्टिकोण के बारे में जानकारी दी। उन-?होंने बताया कि ऐप-आधारित प्रणाली और वेब-आधारित प्लेटफ़ॉर्म की सुविधा से नागरिक आसानी से मानवाधिकार उल्लंघन की रिपोर्ट दर्ज करा सकते हैं।

दूसरे दिन, भारत में एनएचआरसी महासचिव श्री भरत लाल ने पहले सत्र में %मानवाधिकार ढांचे के विकास% के बारे में बात की। उन्होंने न्याय प्रदान करने और सभी के खासकर, सबसे कमजोर लोगों के मानवाधिकारों को बनाए रखने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि महानता का मतलब दूसरों के कल्याण को प्राथमिकता देना है।